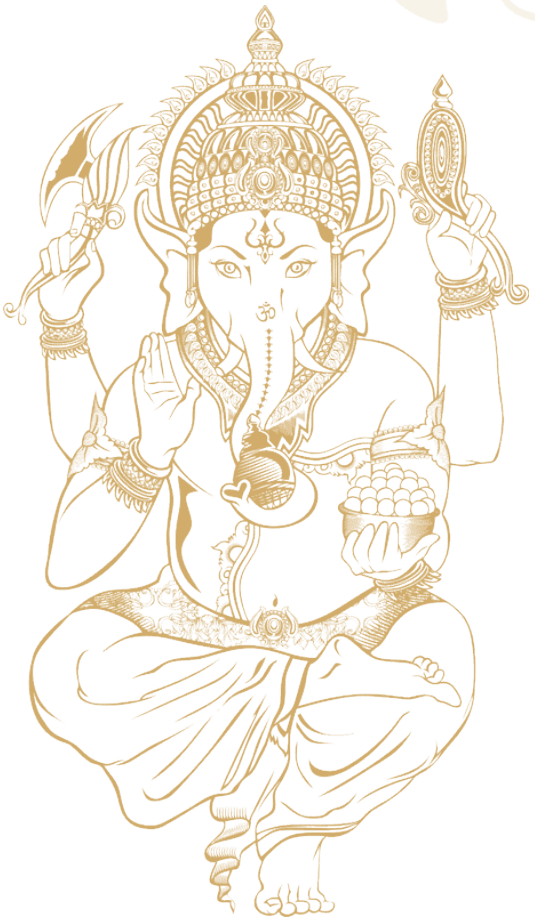

?????????

30 Mar 2023

07:20 AM

Alwar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121521702

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30/03/2023**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**07:20:00 घंटे**
इष्ट	02:36:53 घटी
स्थान	**Alwar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:32:00 उत्तर
रेखांश	76:35:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:56:20 घंटे
वेलान्तर	-00:04:35 घंटे
साम्पातिक काल	19:25:09 घंटे
सूर्योदय	06:17:14 घंटे
सूर्यास्त	18:39:44 घंटे
दिनमान	12:22:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	14:55:36 मीन
लग्न के अंश	05:05:41 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	अतिगण्ड
करण	बालव
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	को-कोमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	05:05:41	473:55:12	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	---
सूर्य			मीन	14:55:36	00:59:19	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	25:34:46	11:54:37	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	मित्र राशि
मंगल			मिथु	08:03:56	00:29:42	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	शत्रु राशि
बुध			मीन	27:31:19	01:54:32	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	नीच राशि
गुरु			मीन	24:28:48	00:14:24	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	स्वराशि
शुक्र			मेष	21:32:53	01:11:16	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	सम राशि
शनि			कुंभ	08:20:46	00:06:18	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	मूलत्रिकोण
राहु	व		मेष	10:09:15	00:01:07	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	10:09:15	00:01:07	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
हर्ष			मेष	22:31:29	00:02:55	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	---
नेप			मीन	01:28:06	00:02:14	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
प्लूटो			मक	05:55:51	00:00:55	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
दशम भाव			धनु	25:29:20	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:10:44

लग्न-चलित

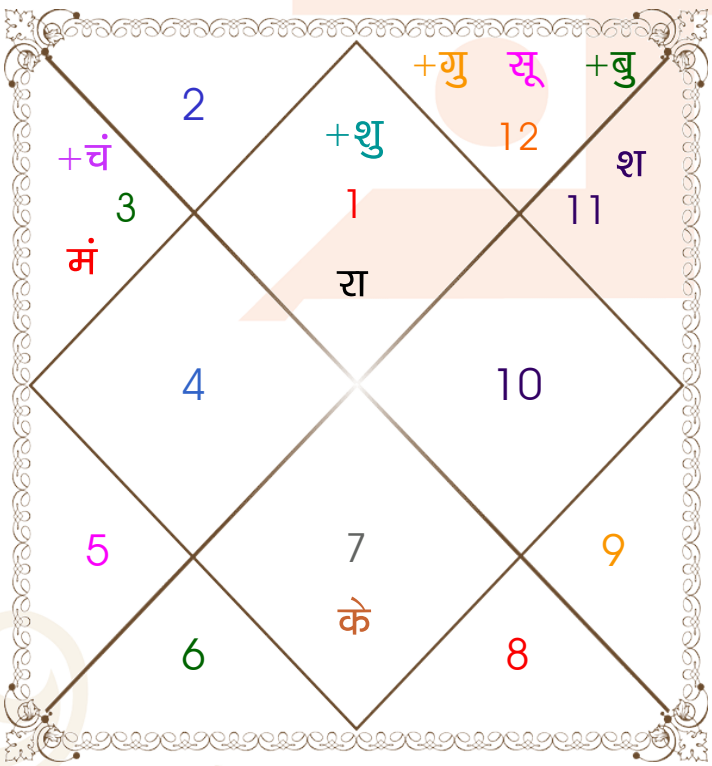

चन्द्र कुंडली

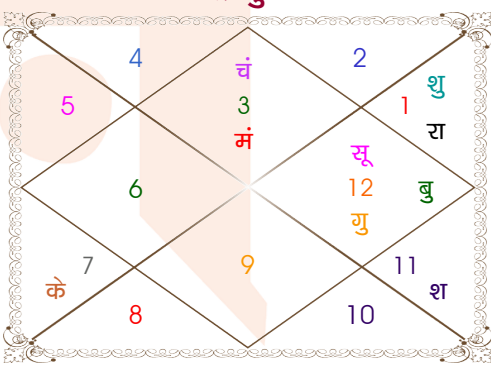

नवमांश कुंडली

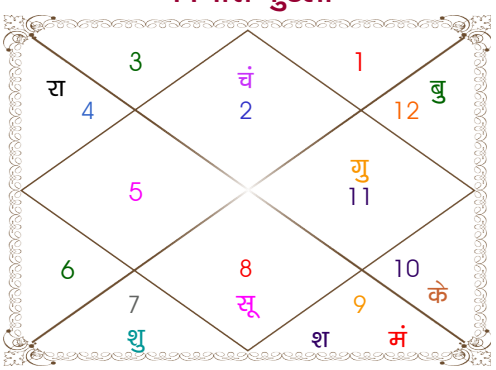

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 9 वर्ष 3 मास 20 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
30/03/2023		18/07/2032		19/07/2051		18/07/2068		19/07/2075	
18/07/2032		19/07/2051		18/07/2068		19/07/2075		19/07/2095	
	00/00/0000	शनि	22/07/2035	बुध	15/12/2053	केतु	15/12/2068	शुक्र	18/11/2078
	30/03/2023	बुध	31/03/2038	केतु	12/12/2054	शुक्र	14/02/2070	सूर्य	18/11/2079
बुध	25/06/2023	केतु	10/05/2039	शुक्र	12/10/2057	सूर्य	21/06/2070	चंद्र	19/07/2081
केतु	31/05/2024	शुक्र	10/07/2042	सूर्य	18/08/2058	चंद्र	21/01/2071	मंगल	18/09/2082
शुक्र	30/01/2027	सूर्य	22/06/2043	चंद्र	18/01/2060	मंगल	19/06/2071	राहु	17/09/2085
सूर्य	18/11/2027	चंद्र	20/01/2045	मंगल	14/01/2061	राहु	06/07/2072	गुरु	18/05/2088
चंद्र	19/03/2029	मंगल	01/03/2046	राहु	03/08/2063	गुरु	12/06/2073	शनि	19/07/2091
मंगल	23/02/2030	राहु	05/01/2049	गुरु	08/11/2065	शनि	22/07/2074	बुध	19/05/2094
राहु	18/07/2032	गुरु	19/07/2051	शनि	18/07/2068	बुध	19/07/2075	केतु	19/07/2095

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
19/07/2095		20/07/2101		20/07/2111		20/07/2118		19/07/2136	
20/07/2101		20/07/2111		20/07/2118		19/07/2136		00/00/0000	
सूर्य	06/11/2095	चंद्र	20/05/2102	मंगल	16/12/2111	राहु	01/04/2121	गुरु	07/09/2138
चंद्र	06/05/2096	मंगल	19/12/2102	राहु	03/01/2113	गुरु	26/08/2123	शनि	20/03/2141
मंगल	11/09/2096	राहु	19/06/2104	गुरु	10/12/2113	शनि	02/07/2126	बुध	31/03/2143
राहु	06/08/2097	गुरु	19/10/2105	शनि	18/01/2115	बुध	18/01/2129		00/00/0000
गुरु	25/05/2098	शनि	20/05/2107	बुध	16/01/2116	केतु	06/02/2130		00/00/0000
शनि	07/05/2099	बुध	19/10/2108	केतु	13/06/2116	शुक्र	05/02/2133		00/00/0000
बुध	14/03/2100	केतु	20/05/2109	शुक्र	13/08/2117	सूर्य	31/12/2133		00/00/0000
केतु	19/07/2100	शुक्र	18/01/2111	सूर्य	19/12/2117	चंद्र	02/07/2135		00/00/0000
शुक्र	20/07/2101	सूर्य	20/07/2111	चंद्र	20/07/2118	मंगल	19/07/2136		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 9 वर्ष 3 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न का उदय काल एवं वृषभ नवांश तथा मेष राशि का द्रेष्काण का प्रवेश काल विद्यमान था। अश्विनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आप स्वतंत्रप्रिय, तेजस्वी, उत्साही, समझौते में विश्वास रखने वाले, किसी के समक्ष नतमस्तक नही होने वाले और किसी भी प्रकार से हार नहीं मानने वाले लगनशील तथा जिद्दी प्रवृत्ति के प्राणी हैं।

वास्तविकता तो यह है कि आप तथाकथित रूप से हर क्षण नेतृत्व प्रदान करना पसंद करते हैं। इसके अतिरिक्त खेल कूद भी आपके लिए प्रिय है। आप अपने विचारों के समक्ष किसी अन्य व्यक्ति का विचार को स्वीकार नहीं करते हैं। आप व्यक्तिगत रूप से अपना न्यायपक्ष ही प्रस्तुत करते हैं। आप स्वाभाविक रूप से नेतृत्व प्रदान करने वाले हैं। तथा शीघ्रता पूर्वक किसी भी विषय को कार्यरूप दे देते हैं। आप सुगमता से अपने अधिकारी या सहायक के विचारों को नही मानते हैं। अर्थात् किसी अन्य की सत्ता स्वीकार नही करते।

आप अपनी अति महत्वकांक्षा के प्रति पूर्ण रूपेण अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके आनंद प्राप्त करते तथा शीघ्रता पूर्वक अपनी सम्मति प्रस्तुत कर देते हैं। आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हो जाते है कि आपके विचार और कार्य कलाप अकाट्य है। आप सदैव सभी विषयों में अपनी प्रधानता एवं सशक्त रूप से प्रेरणा प्रदान करते हैं। संयोगवश यदि असफलता हाथ लगती है तो आप पश्चाताप का श्रेय दूसरो पर देते तथा पुनः अपनी पूरी शक्ति प्रदर्शन एवं अपने नियंत्रण से पुनः कार्यारंभ कर देते हैं।

आप सभी शंकाओं से रहित एक विश्वासी व्यक्ति हैं। आप व्यक्तिगत रूप से निष्कपट प्राणी है। यदि कोई व्यक्ति अनैतिक आचरण अथवा दाव पेंच से आपके साथ चालाकी या चतुरता से आप पर भारी दबाव डालना चाहता है तो आप उसके साथ विषमता पूर्ण रूख अपना कर निष्ठुर व्यवहार करने पर तत्पर हो जाते हैं। परंतु यदि कोई व्यक्ति इसके अतिरिक्त आपके विरुद्ध किसी को उकसाता है। या आप पर दबाव डालना चाहता है तो इस प्रकार के आचरण को उलझन पूर्ण व्यवहार समझकर सतर्क रहते हैं। कोई पिछली बातों को भुलाकर, विश्वास पूर्वक समझौता करना चाहता है तो आप इमानदारी पूर्वक, क्रोध और निष्ठुरता को त्याग कर अंततोगत्वा आगे आकर अर्थात् मित्रता का हाथ बढ़ा कर एवं संकीर्णता से उपर उठ कर सफलता एवं विजय प्राप्त कर लेते हैं। आप अपने परिवार की समस्याओं पर ध्यान देते तथा पूर्ण सतर्क रह कर अंत में सभी समस्याओं का समाधान करते हैं। आप अपने पारिवारिक समस्याओं को बिना समय नष्ट किए शीघ्रता पूर्वक अर्थात् मनोयोग पूर्वक बिना किसी उपेक्षित भावनाओं से संपादन कर लेते हैं।

आपके परिवार के सभी सदस्य एवं आप स्वयं अपनी माता से पूर्ण रूपेण संबद्ध रहा करते हैं। आपकी पत्नी आपको अपने प्रभाव में रखने का पूर्ण प्रयास करती हैं। ऐसा संभव है कि आप अपनी पत्नी की विशेषताओं पर अमल करने लगें।

आप पूर्ण रूपेण स्वस्थ्य एवं शारीरिक शक्ति से मजबूत रहकर आनंद प्राप्त करेंगे। लेकिन यदि आप पूर्ण सतर्कता से वाहन नही चलाएगें या वाहन चलाते समय कोई नादानी (बचपना) की तो यह संभव है कि आप किसी भी दुर्घटना के शिकार हो सकते हैं तथा आपके सिर में कोई चोट लग सकती है। अतः आपको पूर्ण सर्तकता से कोई भी वाहन चलाना चाहिए अन्यथा कोई (छोटी) साधारण दुर्घटना आपके संपूर्ण जीवन में कभी भी संभाव्य है। अतः आपके लिए यह चेतावनी है कि आप अच्छी तरह नियमित रूप से सुरक्षित गति से वाहन चलाएं।

यदि आप अपने दैनिकचर्या के अनुकूल आचरण नही किए तो यह संभव है कि आप मस्तिष्क रोग के अथवा पक्षाघात के शिकार हो सकते हैं। अतः आप समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें, ऐसी ज्योतिषीय राय है। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य के प्रति सुधार करते रहें। आपके स्वास्थ्य के लिए मांसाहार सर्वथा वर्जित है। सदैव ही शाकाहार भोजन ग्रहण करें।

स्वास्थ्य की तुलना में धन क्या। यह तो कुछ भी नही है। स्वास्थ्य पर सदैव ध्यान देना अनुकूल है। यदि आप नीति पूर्ण ढंग से उचित खर्च करने में मनमानी करेंगे अथवा अपनी क्षमता से अधिक खर्च करेंगे तो आपका संचित धन पर कुप्रभाव पड़ेगा जिस कारण आपकी वार्षिक आय-व्यय का सिलसिला बिगड़ जाएगा। और आपकी कोई भी योजना प्रारंभ होने के समय आर्थिक तंगी के कारण प्रभावित हो जाएगी। यदि आप आनंद प्राप्त करने के लिए किसी बिंदु पर आसक्त हो जाएंगे तो आप शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त नही कर सकेंगे और आपकी योजना हानिप्रद प्रमाणित होगी। अर्थात् आपको काम-धंधे से नुकसान उठाना पड़ सकता है। अतः आप सुरक्षित ढंग से धन का बचत नियमित करें जो आपके संवेदनशील परिस्थिति में सहायक हो सके।

यदि आप किसी भी, परिस्थिति या मौसम के प्रारंभिक काल अर्थात् कोई भी कार्य प्रारंभ करने के पहले निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें तो यह आपके लिए लाभजनक सिद्ध होगा।

आप काले रंग के वस्त्रों एवं धातुओं का त्याग कर पीले, लाल एवं ताम्रवर्ण रंग को अपनाएं जो आपके लिए सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अंक 9 और 1 अंक अनुकूल, अंक 4 एवं 8 अंक प्रभावक परंतु अंक 6 एवं 7 अंक आपके लिए प्रतिकूल फलदायक अंक हैं।